SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

Affiliated to the University of Mumbai

Programme: Humanities

HINDI SYBA (Major/Minor)

Semester III

Syllabus for the Academic Year 2024-2025

based on the National Education Policy 2020

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

DEPARTMENT OF HINDI

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास का व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियां एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| विभाग छात्रों को रोजगार के क्षेत्रो में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद ,विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रूचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्य शास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधो के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधो के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि का हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभाव को दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किया गया है |

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

COURSE DETAILS FOR MAJOR:

Hindi Major 3

	SEMESTER III
TITLE	**मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य**
TYPE OF COURSE DSC	**DSC**
CREDITS	4

उद्देश्य

1. मध्यकालीन काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के मध्यकालीन कवियों कबीर , तुलसी ,सूरदास, बिहारी आदि से परिचित कराना और उनके पदों के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास कराना |
2. आधुनिक काल के प्रसिद्द कवियों की कविताओं के माध्यम से समाज की तत्कालीन परिस्थितियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा छात्राओं समाज की विसंगतियों, राजनीति, सांस्कृतिक समस्याओं का सामाधान करने की क्षमता निर्माण करना |
3. हिंदी साहित्य के प्रति विद्यार्थियों में जिज्ञासा निर्माण करना और सृजनात्मक कार्य के प्रति प्रेरित करना |

परिणाम

1. मध्यकालीन काव्य के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों का विकास होगा|
2. आधुनिक काल के प्रसिद्द कवियों की कविता के माध्यम से समाज की तत्कालीन परिस्थितियों से छात्राएँ अवगत होगी तथा समाज की विसंगतियों, राजनीति, सांस्कृतिक मूल्यों से परिचित होंगे |
3. हिंदी साहित्य के प्रति छात्राओं में जिज्ञासा निर्माण होगी और रोजगार तथा रचनात्मक कार्य के प्रति वे अग्रेसर होंगी |

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

Programme: Humanities **HINDI Major 3 DSC**		**Semester – III**	
Course Title: मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य		**Course Code:**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		4	
Total number of Hours in a Semester		60	
Credits		4	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 marks**
	Internal Assessment	**--**	**50 marks (25 each)**

मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य	**DSC**	**पाठ्यक्रम**	**CREDITS 4**
पुस्तक - मध्यकालीन और आधुनिक काव्य - संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल	**इकाई 1**	**मध्यकालीन काव्य -** **1. कबीरदास के दोहे -** 1. सतगुरु की महिमा अनँत….. .अनँत दिखावणहार ॥ 2. दीपक दीया तेल भरि……. बहुरि न आँवौं हट्ट॥ 3. बलिहारी गुरु. ……...न लागी बार॥ 4. सतगुरु लई कमाँण करि. …… भीतरि रह्या सरीर ॥ **2. सुमिरन भजन महिमां कौ अंग -** 1. कबीर सूता क्या करै…….. लम्बे पाँव पसारि ॥ 2. तूँ तूँ करता तूँ भया। ..... जित देखौं तित तूँ 3. च्यंता तौ हरि नाँव की..... सोई काल कौ पास	15

		4. भली भई जो... …….पड़ता पूरी जानि ॥ **3. सूरदास के पद -** 1. अविगत गति..... ……...सूर सगुन लीला पद गावै॥ 2. हरि सों मीत न देख्यौं कोई..... नाना त्रास निवारे ॥ 3. गोविन्द प्रीति सबन की मानत..... जुग जुग भगत बढ़ाये॥ 4. जैसे तुम गज कौ…….तिहिं दारिद्र नसायौ ॥	
	इकाई 2	**4. तुलसीदास- अयोध्याकांड -** 1. माई री! मोहि कोउ न समुझावै ….. . .पीर न जाति बखानी॥ 2. जब-जब भवन बिलोकति सूनो..... बिनु सोकजनित रुज मेरो ॥ 3. काहेको खोरि कैकयिहि.. .. मनहु राम फिरि आए॥ 4. माई ! हौं अवध कहा रहि लैहौं। ….निकसि बिहंग-मृग भागे| **5. बिहारी के दोहे -** 1. तंत्रिनाद कवित्त रस.. ……जे बूड़े सब अंग॥ 2. कोरि जतन काऊ ..... अंत नीच कौ नीचु॥ 3. संगति सुमति न पावहीं…… हींग न होई सुगंध॥ 4. नहिं परागु नहिं मधुर मधु..... आगै कौन हवाल॥ 5. कहै-यहै श्रुति सुम्रत्यों……. .पातक, राजा, रोग.॥ 6. घरु-घरु डोलत दीन है……लघु पुनि बड़ौ लखाइ॥ 7. कनक-कनक तै सौगुनौ .. ..इहिं पाएँ ही बौराइ॥ 8. सबै हँसत करतार दै... .गएँ गँवारै गाँव॥	15
	इकाई 3	**आधुनिक काव्य -**	

		रश्मिरथी (खंडकाव्य) -रामधारी सिंह 'दिनकर' 1. रश्मिरथी (खंड -1 और 3)	15
	इकाई 4	**आधुनिक काव्य** पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ- 1. आजकल लड़ाई का ज़माना है- त्रिलोचन 2. एक छोटा-सा अनुरोध- केदारनाथ सिंह 3. नदी और साबुन -ज्ञानेंद्रपति 4. सरकारी कोयल- उदय प्रकाश 5. घर- मंगलेश डबराल **प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण-** **पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कविताएँ -** 1. घर रहेंगे 2. अबकी अगर लौटा तो 3. क्या वह नहीं होगा 4. बाज़ारों की तरफ़ भी	15

संदर्भ :

- मध्यकालीन और आधुनिक काव्य - संपादन : हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, वाणी प्रकाशन
- हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल,
- प्रतिनिधि कविताएँ -कुंवर नारायण- सम्पादक- पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन
- रश्मिरथी - रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन
- रामचरितमानस – तुलसीदास
- हिंदी साहित्य का आदिकाल -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

Hindi MAJOR 4

	SEMESTER III
TITLE	**प्रयोजनमूलक हिंदी**
TYPE OF COURSE DSC	**DSC**
CREDITS	**4**

उद्देश्य :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा को एक ओर सामान्य बोलचाल की और दूसरी ओर साहित्यिक हिंदी से अलगाना, ताकि हिंदी के अन्य विशिष्ट प्रयोग (मीडिया, बैंक, रेल्वे , प्रशासन, कानून, चिकित्सा, तकनीक, विज्ञान आदि) स्पष्ट हो सकें।
2. भाषा के अनुवाद का परिचय देना और अनुवाद की ओर विद्यार्थियों को अग्रेसर करना।
3. विज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी विज्ञापन में रोजगार के की संभावनाओं से परिचित कराना और उस ओर अग्रेसर कराना |

परिणाम :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी के इस पत्र को पढ़ने के उपरांत विद्यार्थी हिंदी से जुड़े रोज़गार के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति सचेत हो जाएंगे और उस दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे।
2. विज्ञापन और अनुवाद क्षेत्र की अपार सम्भावनाओं को आज़मा सकेंगे।
3. एक ओर पत्रकारिता, तो दूसरी ओर मीडिया लेखन या वाचन की ओर विद्यार्थी अग्रेसर होंगे, वे इन विषयों की मूलभूत जानकारी, प्रवृत्ति और मूलभूत दक्षता भी सीखेंगे।

Programme: Humanities **HINDI MAJOR 4 (DSC)**	**Semester – III**
Course Title: प्रयोजन मूलक हिंदी	**Course Code:**
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)	**4**

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 MARKS**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS (25 each)**

प्रयोजन मूलक हिंदी	**DSC**	**पाठ्यक्रम**	**CREDITS 4**
	इकाई 1	**प्रयोजन मूलक हिंदी : अवधारणाएँ एवं स्वरूप** 1. प्रयोजनमूलक हिंदी - अर्थ, परिभाषा, स्वरुप,विशेषताएँ और महत्त्व 2. सामान्य हिंदी और साहित्यिक हिंदी - स्वरुप, विशेषताएँ और महत्त्व 3. प्रयोजन मूलक हिंदी : व्यावहारिक प्रयोग (ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आदेश, सूचनाएँ, निविदा)	**15**
	इकाई 2	**विज्ञापन का परिचय** 1. विज्ञापन :अर्थ, परिभाषा, स्वरूप 2. विज्ञापन का महत्व एवं विशेषताएँ 3. विज्ञापन और हिन्दी भाषा 4. विज्ञापन : व्यावहारिक प्रयोग (प्रिंट मीडिया, रेडियों और टेलीविज़न में विज्ञापन लेखन)	**15**

	इकाई 3	**अनुवाद : अवधारणा एवं स्वरूप** 1. अनुवाद का सामान्य परिचय 2. अनुवाद की प्रक्रिया - 3. अनुवाद के प्रकार - साहित्यिक अनुवाद और साहित्येत्तर अनुवाद 4. अनुवाद : व्यावहारिक प्रयोग (मराठी से हिंदी में अनुवाद और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)	**15**
	इकाई 4	**पारिभाषिक शब्दावली -** 1. पारिभाषिक शब्दावली का सामान्य परिचय 2. 50 पारिभाषिक शब्द	**15**

संदर्भ :

- प्रयोजन मूलक हिंदी डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
- प्रयोजन मूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
- प्रयोजन मूलक हिंदी की नयी भूमिका कैलाश नाथ पांडेय
- प्रयोजन मूलक हिंदी- डॉ. पी.लता
- प्रस्तावना मूलक हिंदी- माधव सोनटक्के
- अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी
- परिभाषा स्वरूप एवं क्षेत्र-डॉ. गोपाल राय
- अनुवाद कला डॉ. एन.ई. विभवनाथ अय्यर
- अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग- जी. गोपीनाथ

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

HINDI MINOR 3

	SEMESTER III
TITLE	**हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 1)**
TYPE OF COURSE DSE	**DSE**
CREDITS	**4**

उद्देश्य

1. हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी गद्य विधा उपन्यास से परिचय कराना और उपन्यास के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का संस्कार करना |
2. ममता कालिया द्वारा रचित उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के माध्यम से महिलाओं के जीवन तथा उनके समस्याओं से अवगत कराना |
3. उपन्यास के माध्यम से के वर्तमान सामाजिक,पारिवारिक, सांस्कृतिक एवं आज के युग की युवाओं की समस्याओं से परिचय करना

परिणाम

1. हिंदी उपन्यास की विकास यात्रा के माध्यम से विद्यार्थी उपन्यास के इतिहास और प्रमुख उपन्यासकार से परिचित होंगे |
2. 'सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के माध्यम से स्त्री जीवन की विविध समस्याओं और परिस्थितियों से परिचय होंगे |
3. सपनों की होम डिलीवरी' उपन्यास के माध्यम से छात्राओं में आधुनिक युग की विभिन्न बाधाओं का सामना कर पाने की क्षमता का

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

विकास होगा |

Programme: Humanities **HINDI MINOR 3 (DSE)**		**Semester – III**	
Course Title: आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 1)		**Course Code:**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**4**	
Total number of Hours in a Semester		**60**	
Credits		**4**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**2 Hours**	**50 MARKS**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS (25 each)**

आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य (भाग - 1)	**DSC**	**पाठ्यक्रम**	**CREDITS 4**
	इकाई 1	**हिंदी उपन्यास का परिचय** हिंदी उपन्यास का सामान्य परिचय ● अर्थ,परिभाषा, तत्व और स्वरूप हिंदी के कतिपय उपन्यासकारों का परिचय ● श्री निवासदास मिश्र ● देवकीनंदन खत्री ● वृन्दावन लाल वर्मा ● प्रेमचंद	**15**

		• अज्ञेय • अमृतलाल नागर • भीष्म साहनी • कृष्णा सोबती	
	इकाई 2	**उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया** • उपन्यासकार ममता कालिया का सामान्य परिचय • उपन्यास का सामान्य परिचय • पठन-पाठन, समूह चर्चा	**15**
	इकाई 3	**उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' - ममता कालिया** • पारिवारिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा • सामाजिक परिस्थितियों के अनुसार समीक्षा • नैतिक मूल्यों परक समीक्षा • युवा वर्ग सम्बन्धी विविध विविध परिस्थितियों अनुसार समीक्षा	**15**
	इकाई 4	**उपन्यास तत्वों के अनुसार उपन्यास 'सपनों की होम डिलीवरी' की समीक्षा** • कथावस्तु, पात्र, देशकाल/ वातावरण, भाषा, उद्देश्य	**15**

संदर्भ :

- सपनों की होम डिलीवरी **उपन्यास**, ममता कालिया

- हिंदी गद्य का इतिहास- रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :रामकुमार वर्मा
- हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त
- उपन्यास का स्वरूप - डॉ शशिभूषन सिंघल, आधुनिक प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - संपादक -रामदरश मिश्रा, गिरनार प्रकाशन, गुजरात

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

COURSE DETAILS FOR VSC:

Vocational Skill Courses (VSC)

	SEMESTER III
TITLE	**विज्ञापन-लेखन**
TYPE OF COURSE	**VSC**
CREDITS	**2**

उद्देश्य

1. विज्ञापन के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी विज्ञापन क्षेत्र में रोजगार के प्रति परिचित कराना |
2. विज्ञापन के विभिन्न प्रकारों का परिचय देना |
3. विज्ञापन लेखन की ओर विद्यार्थी को अग्रेसर करना।

परिणाम

1. छात्राएँ विज्ञापन क्षेत्र की अपार सम्भावनाओं से परिचित होंगे।
2. छात्राएँ विज्ञापन की विविध एजंसियों से परिचित होंगे |
3. विद्यार्थी विज्ञापन लेखन कला से अवगत होने पर विद्यार्थी विज्ञापन क्षेत्र में रोजगार पाने में सक्षम होंगे |

Programme: Humanities **Vocational Skill Courses (VSC)**	**Semester – III**
Course Title: विज्ञापन लेखन	**Course Code: AVSC203**
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)	2

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

Total number of Hours in a Semester		30	
Credits		2	
Evaluation System		**2 Hours**	**—---**
	Internal Assessment	**--**	**50 MARKS**

विज्ञापन लेखन	**VSC**	**पाठ्यक्रम**	**Credits 2**
	इकाई 1	**विज्ञापन : अवधारणा एवं स्वरूप** 1. विज्ञापन : परिचय 2. विज्ञापन : महत्व एवं उपयोगिता 3. हिंदी विज्ञापनों की भाषा 4. विज्ञापन एजेंसियों का परिचय	15
	इकाई 2	**विज्ञापन के विविध आयाम** 1. विज्ञापन के प्रकार 2. विज्ञापन क़ानून और सहिताएं 3. विज्ञापन लेखन, प्रारूप, अभिकल्पना (डिजाइन) 4. विज्ञापन : व्यावहारिक प्रयोग ● प्रिंट मीडिया में विज्ञापन लेखन ● इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में विज्ञापन लेखन	15

		• जिंगल लिखना	

संदर्भ :

- विज्ञापन और ब्रांड - संजय सिंह बघेल
- विज्ञापन बाज़ार और हिंदी -कैलाश नाथ पांडे
- विज्ञापन की दुनिया -कुमुद शर्मा
- प्रयोजन मूलक हिंदी डॉ. रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. विनोद गोदरे
- प्रयोजन मूलक हिंदीः सिद्धांत और प्रयोग- डॉ. दंगल झाल्टे
- प्रस्तावना मूलक हिंदी- माधव सोनटक्के

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

COURSE DETAILS FOR AEC:

Ability Enhancement Courses (AEC)

	SEMESTER III
TITLE	**हिंदी साहित्य और भाषा ज्ञान (भाग -१)**
TYPE OF COURSE	**AEC**
CREDITS	**1**

उद्देश्य :

1. हिंदी कविताओं के माध्यम से विद्यार्थियों को काव्य परम्परा से जोड़ना |
2. कविता के माध्यम से छात्राओं को हिंदी साहित्य से परिचित करना।
3. हिंदी भाषा के प्रति रूचि निर्माण करना और रचनात्मक लेखन की ओर प्रेरित करना।
4. भाषा व्याकरण के माध्यम से भाषा में शुद्धियाँ होगी |
5. संक्षेपण और पल्लवन के माध्यम से भाषा सम्बन्धी ज्ञान होगा हो मूल्याङ्कश क्षमता निर्माण होगी |

परिणाम :

1. हिंदी कविताओं के माध्यम से मानवीय मूल्यों का विकास होगा।
2. विद्यार्थी सृजनात्मक लेखन की ओर अग्रसर होंगे।
3. हिंदी साहित्य में रुचि निर्माण होगी और मूल्याङ्कन क्षमता का विकास होगा।

Programme: Humanities **Ability Enhancement Course (AEC)**	**Semester – III**

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

Course Title: हिंदी साहित्य और भाषा ज्ञान (भाग -१)		**Course Code:**	
Lectures per week (1 Lecture is 60 minutes)		**1**	
Total number of Hours in a Semester		**15**	
Credits-		**1**	
Evaluation System	**Semester End Examination**	**Hours**	
	Internal Assessment	--	

हिंदी साहित्य और भाषा ज्ञान (भाग -१)	**AEC**	**पाठ्यक्रम**	**CREDIT- 1**
काव्य प्रदीप -	इकाई 1	**कविताएँ** 1. वह तोडती पत्थर- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' 2. झाँसी की रानी - सुभद्रा कुमारी चौहान 3. जो बीत गई, सो बात गई- हरिवंशराय बच्चन 4. अकाल और उसके बाद -नागार्जुन	**8**
	इकाई 2	**भाषा ज्ञान : व्यावहारिक लेखन** ● हिंदी व्याकरण : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण ● संक्षेपण और पल्लवन	**7**

संदर्भ :

- काव्य प्रदीप - हिंदी अध्ययन मंडल मुंबई विश्व विद्यालय
- समकालीन हिंदी कविता - अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन
- हिंदी कविता की प्रगतिशील भूमिका - प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिकेशन हाउस
- नयी कविता की भूमिक- प्रेमशंकर, नेशनल पब्लिकेशन हाउस

- हिंदी भाषा और लिपि -डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
- बोलचाल की हिंदी -सुशीला गुप्ता

Assessment pattern

ASSESSMENT DETAILS:(this will be same for all the theory papers)

Continuous Assessment (50 marks)

Part 1: Test (**25 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: project work (25 marks)

- part II students should be assigned with a project from unit lest
- Students can work in groups of not more than 8 per topic.
- Project Marks will be divided as written submission: 10 Marks & Presentation & Viva: 10 marks)
- The Project/Assignment can take the form of Street-Plays/Power-Point Presentations/Poster Exhibitions and similar other modes of presentation appropriate to the topic.
- Students must submit a hard copy of the Project before the last teaching day of the semester.

VSC/SEC Course CA Assessment (50 marks)

Part 1: Test (**20 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: project work (20 marks)

- part II students should be assigned with a project from unit lest
- Students can work in groups of not more than 8 per topic.
- Project Marks will be divided as written submission: 15 Marks & Presentation & Viva: 10 marks)

- The Project/Assignment can take the form of Street-Plays/Power-Point Presentations/Poster Exhibitions and similar other modes of presentation appropriate to the topic.
- Students must submit a hard copy of the Project before the last teaching day of the semester.

Part 3: Attendance **– 10 marks**

AEC Course CA Assessment (25 marks)

Part 1: Test (**20 Marks**)

- At the beginning of the semester, students should be assigned with a test based on 1 and 2 units.

Part 2: Attendance **– 5 marks**

Semester End Examination – External Assessment (50 marks)

- The duration of the paper will be two hours.
- There shall be four compulsory questions
- Q1-3 shall correspond to the three units. Q1-3 shall contain an internal choice (attempt any 1 of 2). Q1-3 shall carry a maximum of 12 marks
- Q4 shall be a short note from Unit 1 to 4. Q4 shall carry a maximum of 14 marks (2x7 marks) (attempt any 2 of 4)

Bos member

1. VC Nominee Dr. Satyawati Chaubey,
2. Subject Expert Dr. Dinesh Pathak, Dr. Ravindra Katyayan
3. Industry expert Mr. Sundar Chand Thakur
4. Sophia college alumna Dr. Tabassum Khan
5. Chairperson – Dr. Vaishali Pachunde,
6. Dept. member – Dr. Smriti Singh and Ms. Priyanka Chauhan attended the meeting.

Part 2: Attendance **– 05 marks**

Semester End Examination – External Assessment (50 marks)

SOPHIA COLLEGE (AUTONOMOUS)

- The duration of the paper will be two hours.
- There shall be four compulsory questions
- Q1-3 shall correspond to the three units. Q1-3 shall contain an internal choice (attempt any 1 of 2). Q1-3 shall carry a maximum of 12 marks
- Q4 shall be a short note from Unit 1 to 4. Q4 shall carry a maximum of 14 marks (2x7 marks) (attempt any 2 of 4)

Bos member

1. VC Nominee Dr. Satyawati Chaubey,
2. Subject Expert Dr. Dinesh Pathak, Dr. Ravindra Katyayan
3. Industry expert Mr. Sundar Chand Thakur
4. Sophia college alumna Dr. Tabassum Khan
5. Chairperson – Dr. Vaishali Pachunde,
6. Dept. member – Dr. Smriti Singh and Ms. Priyanka Chauhan attended the meeting.